VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS

+918171181080
+919068806410

www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(10 September 2023)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- पीएम मोदी ने औपचारिक रूप से 'वैश्विक जैव ईंधन' गठबंधन का शुभारंभ किया
- 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप मेगा आर्थिक गलियारा'
- RBI ने फिनटेक के लिए एक 'स्व-नियामक संगठन (SRO)' स्थापित करने का प्रस्ताव क्यों दिया है?

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

पीएम मोदी ने औपचारिक रूप से वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन का शुभारंभ किया:

चर्चा में क्यों है?

- **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (GBA) को शनिवार (9 सितंबर) को नई दिल्ली में G20 शिखर सम्मेलन के मौके पर** कई भागीदार देशों के नेताओं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था।
- GBA पर पिछले कुछ समय से काम चल रहा है और यह भारत की G20 अध्यक्षता के तहत एक प्रमुख पहल और प्राथमिकता है।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (GBA) क्या है?

- GBA, जिसके लिए **प्रयास का नेतृत्व भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील ने किया था, नौ आरंभिक सदस्यों-भारत, अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना, बांग्लादेश, इटली, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के साथ शुरू किया गया है**, जबकि **कनाडा और सिंगापुर पर्यवेक्षक देश** हैं।
- **कुल मिलाकर, 19 देश और 12 अंतर्राष्ट्रीय संगठन पहले ही GBA में शामिल होने के लिए सहमत हो चुके हैं।** 19 में से सात देश G20 से हैं, चार G20 आमंत्रित देशों में से हैं, जबकि आठ न तो G20 सदस्य हैं और न ही आमंत्रित देश हैं।
- **विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, विश्व आर्थिक मंच, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा मंच, अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी** और अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन उन संगठनों में से हैं **जो गठबंधन में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं।**
- **फरवरी 2023 में, भारत सरकार ने घोषणा की थी कि ब्राजील, भारत और अमेरिका** - प्रमुख जैव ईंधन उत्पादकों और उपभोक्ताओं के रूप में - GBA विकसित करने के लिए अन्य इच्छुक देशों और एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेंगे।
- **अमेरिका और ब्राजील को जैव ईंधन में वैश्विक नेताओं के रूप में** देखा जाता है और **वैश्विक इथेनॉल उत्पादन में उनका क्रमशः 52 प्रतिशत और 30 प्रतिशत योगदान** है।

GBA का उद्देश्य एवं महत्व क्या है?

- इस गठबंधन का उद्देश्य **टिकाऊ जैव ईंधन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाना और सतत जैव ईंधन के उपयोग को तेज करना है**, साथ ही **वैश्विक जैव ईंधन व्यापार को सुविधाजनक बनाना और राष्ट्रीय जैव ईंधन कार्यक्रमों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान** करना है।
- **GBA मूल्य श्रृंखला में क्षमता-निर्माण अभ्यास, राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए तकनीकी सहायता** और नीति पाठ-साझाकरण को बढ़ावा देकर **टिकाऊ जैव ईंधन के विश्वव्यापी विकास और तैनाती का समर्थन करेगा।**
- यह **उद्योगों, देशों, पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाड़ियों और प्रमुख हितधारकों को मांग और आपूर्ति की मैपिंग में सहायता करने** के साथ-साथ प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को अंतिम उपयोगकर्ताओं से जोड़ने के लिए एक आभासी बाज़ार जुटाने की सुविधा प्रदान करेगा।
- यह **जैव ईंधन अपनाने और व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानकों, कोड, स्थिरता सिद्धांतों और विनियमों के विकास, अपनाने और कार्यान्वयन की सुविधा भी प्रदान** करेगा।

जैव-ईंधन के संदर्भ में भारत की वस्तुस्थिति:

- भारत के लिए, **जो कच्चे तेल का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और अपनी 85 प्रतिशत से अधिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर**

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

करता है, जैव ईंधन का उपयोग बढ़ाना **दो उद्देश्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपकरण है - ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करना और देश के तेजी से बढ़ते ऊर्जा उपयोग के कार्बन पदचिह्न को सीमित** करना।

- **शुरुआती बाधाओं के बाद, भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने इथेनॉल-पेट्रोल सम्मिश्रण कार्यक्रम में सफलता का स्वाद चखा** है।
- **भारत ने नवंबर 2022 की निर्धारित समय-सीमा से कुछ महीने पहले पिछले साल जून में पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया था।**
- इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में सफलता ने सरकार को **20 प्रतिशत इथेनॉल-रोलआउट के साथ अखिल भारतीय E20 पेट्रोल की समय सीमा 2030 से 2025-26 तक कम करने के लिए प्रेरित किया**। सरकार के अनुसार, देश संशोधित E20 पेट्रोल समयसीमा को पूरा करने की राह पर है।
- भारत **डीजल को उपयुक्त जैव ईंधन और प्राकृतिक गैस को बायोगैस** के साथ मिश्रित करने पर भी विचार कर रहा है।

'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप मेगा आर्थिक गलियारा':

चर्चा में क्यों है?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 सितंबर 2023 को **'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप मेगा आर्थिक गलियारे' के शुभारंभ की घोषणा** की।
- इस परियोजना में **भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका** शामिल हैं।
- आधिकारिक तौर **पर इसे भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा कहा जायेगा, लेकिन इसे आधुनिक "स्पाइस रूट" के रूप में भी** और अधिक महत्वपूर्ण रूप से चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के लिए एक महत्वपूर्ण वैचारिक विकल्प के रूप में लाया जा रहा है।

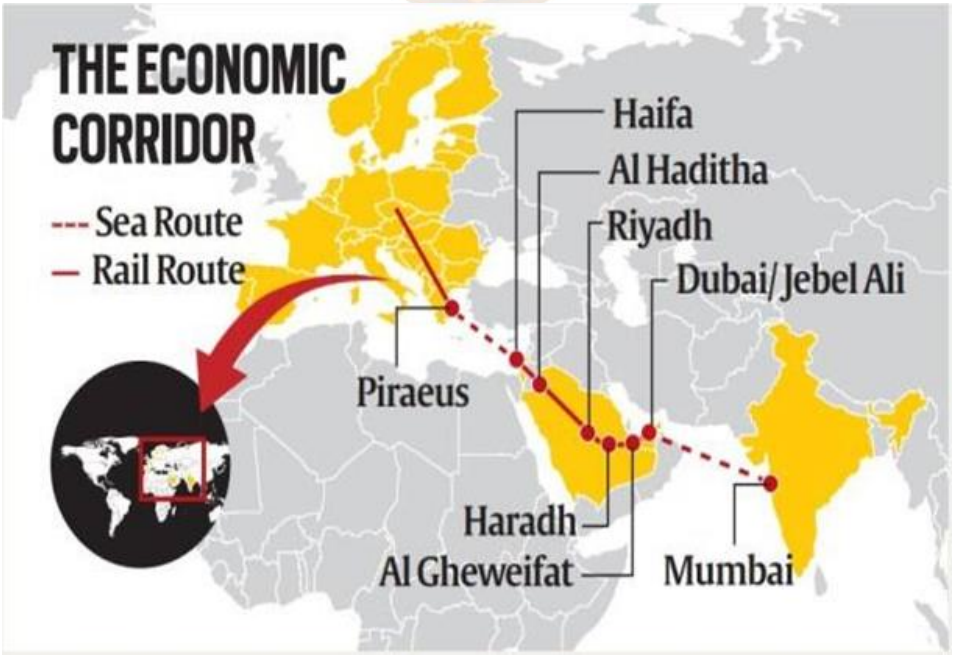

परियोजना क्या है, और क्यों लाया गया है?

- इस **परियोजना में अरब प्रायद्वीप के माध्यम से एक रेलवे लिंक बिछाना शामिल है जो इस प्रस्तावित गलियारे के दोनों छोर पर भारत और यूरोप के लिए शिपिंग मार्गों** से जुड़ सकता है।
- यह रेल और शिपिंग कॉरिडोर, **'इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट के लिए वैश्विक साझेदारी (PGII)' का हिस्सा है।**
- **PGII विकासशील देशों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए G7 देशों द्वारा एक सहयोगात्मक प्रयास** है। उल्लेखनीय है कि PGII को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का प्रतिकार माना जाता है।
- यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन द्वारा तैयार किए गए दस्तावेज़ के अनुसार, **गलियारे में एक रेल लिंक के साथ-साथ एक बिजली केबल, एक हाइड्रोजन पाइपलाइन और एक हाई-स्पीड डेटा केबल भी शामिल** होगी।
- इस दस्तावेज़ ने **इस परियोजना** को ***"महाद्वीपों और सभ्यताओं के बीच एक हरित और डिजिटल पुल"*** भी कहा है।
- **अरब प्रायद्वीप में भूमि मार्ग के उपयोग का मतलब भीड़भाड़ वाली स्वेज नहर को दरकिनार करना हो सकता** है।
- इस परियोजना का लक्ष्य अंततः दक्षिण पूर्व एशिया से यूरोप तक एक निर्बाध गलियारा बनाना है।

परियोजना का महत्व क्या है?

- **इससे ऊर्जा और डिजिटल संचार के बढ़ते प्रवाह के माध्यम से शामिल देशों के बीच समृद्धि बढ़ेगी।**
- यह परियोजना **निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की कमी से निपटने में मदद करेगी।**
- यह **मध्य पूर्व से आने वाली "अशांति और असुरक्षा" पर "तापमान को कम करने" में मदद कर सकता** है।
- इसके अलावा, **इस परियोजना को चीन के शी जिनपिंग और रूस के व्लादिमीर पुतिन के प्रभुत्व का मुकाबला करने के लिए G20 समूह को और मजबूत करने के संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रयास के रूप में देखा जा सकता** है।

इस गलियारे का भारत के लिए स्ट्रैटिजिक एवं कूटनीतिक महत्व:

- कुछ साल पहले तक यह माना जाता था कि **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका इंडो-पैसिफिक में एक साथ काम कर सकते हैं, लेकिन मध्य पूर्व में उनके बीच बहुत कम समानता है।** यह मिथक तब टूटा जब **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने कुछ संयुक्त आर्थिक परियोजनाओं को विकसित करने के लिए I2U2 फोरम की स्थापना के लिए इज़राइल और संयुक्त अरब अमीरात के साथ हाथ** मिलाया। **भारत-अरब-यूरोप गलियारा कहीं अधिक परिणामकारक साबित हो सकता है।**

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- **यह पश्चिम से भारत की जमीनी कनेक्टिविटी पर पाकिस्तान के वीटो को तोड़ता है।** 1990 के दशक से, भारत ने पाकिस्तान के साथ विभिन्न अंतर-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं की मांग की है। **लेकिन इस्लामाबाद भारत को जमीन से घिरे अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच देने से इनकार करने पर अड़ा हुआ** था।
- **ईरान भारत के लिए अधिक खुला है, लेकिन पश्चिम के साथ उसके टकराव ने ईरान से यूरेशिया तक गलियारों की व्यावसायिक उपयोगिता पर असर डाला** है।
- गलियारा **अरब प्रायद्वीप के साथ भारत की रणनीतिक भागीदारी को बढ़ावा** देगा। **ऐसे में भारत के पास अब भारत और अरब के बीच स्थायी कनेक्टिविटी बनाने का अवसर है।**
- अंत में, **अमेरिका और यूरोपीय संघ ने अंगोला, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और जाम्बिया को जोड़ने वाला एक ट्रांस-अफ्रीकी कॉरिडोर बनाने की योजना की परिकल्पना** की है। **भारत अफ्रीका में अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ मिलकर काम करना चाहेगा।**

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

RBI ने फिनटेक के लिए एक 'स्व-नियामक संगठन (SRO)' स्थापित करने का प्रस्ताव क्यों दिया है?

चर्चा में क्यों है?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने **फिनटेक संस्थाओं को एक स्व-नियामक संगठन (SRO) बनाने के लिए कहा** है।
- एक **SRO अपने सदस्यों के लिए आचार संहिता स्थापित करने में मदद कर सकता** है जो पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देती है। यह **एक प्रहरी के रूप में कार्य कर सकता है और सदस्यों को जिम्मेदार और नैतिक प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर** सकता है।
- यह **कम औपचारिक सेट-अप के माध्यम से नियामक और बाजार सहभागियों के बीच एक लिंक प्रदान कर सकता** है।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

SRO क्या होते हैं?

- **SRO एक गैर-सरकारी संगठन है जो ग्राहक की सुरक्षा और नैतिकता, समानता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से** उद्योग (सदस्यों) में संस्थाओं के आचरण से संबंधित नियमों और मानकों को निर्धारित और लागू करता है।
- यह आमतौर पर नियम और विनियम तैयार करने में सभी हितधारकों के साथ सहयोग करते हैं।
- **SRO की स्व-नियामक प्रक्रियाओं को निष्पक्ष तंत्र के माध्यम से प्रशासित किया जाता है** जैसे कि सदस्य अनुशासित वातावरण में काम करते हैं और SRO द्वारा दंडात्मक कार्रवाई स्वीकार करते हैं।
- एक **SRO से उद्योग के संकीर्ण स्वार्थों से परे चिंताओं को संबोधित करने की अपेक्षा की जाती है,** जैसे कि श्रमिकों, ग्राहकों या व्यवस्था में अन्य प्रतिभागियों की रक्षा करना।

SRO की आवश्यकता क्यों है?

- चूंकि नियामक फिनटेक क्षेत्र के व्यवस्थित विकास के लिए नियमों पर विचार करना, लागू करना और परिष्कृत करना जारी रखते हैं, **SRO जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देने और नैतिक मानकों को बनाए रखने के द्वारा फिनटेक उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते** हैं।

- ऐसे **कई उदाहरण हैं जहां कुछ फिनटेक खिलाड़ी अत्यधिक ऊंची ब्याज दरें वसूलने और ऋण की वसूली के लिए उधारकर्ताओं को परेशान करने** जैसी अनैतिक गतिविधियों में शामिल थे।

फिनटेक से आरबीआई की क्या उम्मीदें हैं?

- आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि **फिनटेक को देश के कानूनों के अनुरूप उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं, गोपनीयता और डेटा सुरक्षा मानदंडों को विकसित करने**, गलत बिक्री से बचने के लिए **मानक निर्धारित करने, नैतिक व्यापार प्रथाओं और मूल्य निर्धारण की पारदर्शिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता** है।

किसी क्षेत्र विशेष में SRO के क्या लाभ हैं?

- **SRO को व्यापक रूप से अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञ माना जाता है** और इसलिए उन्हें उन बाजारों का गहन ज्ञान होता है जिनमें वे काम करते हैं। यह **उनके सदस्यों के लिए सहायक है क्योंकि उन्हें विचार-विमर्श में भाग लेने और उद्योग की बारीकियों के बारे में अधिक जानने के लिए बुलाया जा सकता** है।
- SRO का गठन **यह सुनिश्चित करता है कि सदस्य संगठन आचरण के एक निश्चित मानक का पालन करें जो व्यापार करने के नैतिक तरीकों को बढ़ावा देने** में मदद करता है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वास बढ़ सकता है।
- वे **किसी उद्योग या पेशे के भीतर गैर-पेशेवर प्रथाओं से बचाव के लिए एक प्रहरी के रूप में काम कर सकते** हैं।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

SRO के कार्य क्या होंगे?

- मान्यता **प्राप्त SRO अपने सदस्यों और आरबीआई के बीच दो-तरफा संचार चैनल के रूप में काम** करेगा।
- यह **न्यूनतम मानक और मानक स्थापित करने की दिशा में काम करेगा** और अपने **सदस्यों के बीच पेशेवर और स्वस्थ बाजार व्यवहार विकसित करने में मदद** करेगा।
- SRO **अपने सदस्यों और अन्य लोगों को प्रशिक्षण देंगे और जागरूकता कार्यक्रम** आयोजित करेंगे।
- यह **अपने सदस्यों के बीच एक समान शिकायत निवारण और विवाद प्रबंधन ढांचा स्थापित करेगा।**